भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4169
उत्तर देने की तारीख 18 मार्च, 2026

राजस्थान में ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर बिछाया जाना

4169. श्री बृजेन्द्र सिंह ओलाः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या भारतनेट के आंकड़ों में बिछाए गए ऑप्टिकल फाइबर (किलोमीटर में) और प्रचालनशील इंटरनेट सेवाओं वाली ग्राम पंचायतों की संख्या में कोई अंतर पाया गया है;
(ख) यदि हां, तो राजस्थान में उन ग्राम पंचायतों की संख्या कितनी है जहां ऑप्टिकल फाइबर बिछाया जा चुका है परन्तु इंटरनेट सेवाएं अभी तक सक्रिय नहीं हुई हैं;
(ग) क्या जिला स्तरीय आंकड़ों से झुंझुनू जिले में सेवा सक्रियण में विलंब का संकेत मिलता है; और
(घ) क्या ऐसे मामलों में अंतिम-छोर तक संपर्क और प्रचालन सहायता के लिए केंद्रीय बजट में कोई प्रावधान किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (ग) सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए भारतनेट परियोजना को चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है। भारतनेट चरण-I और चरण-II के तहत देशभर में 7,19,241 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाई गई है और 2,14,921 ग्राम पंचायत (जीपी) सेवा प्रदान करने के लिए तैयार हो चुकी हैं।

राजस्थान में, झुंझुनू जिले के 301 ग्राम पंचायतों (जीपी) सहित 8,746 जीपी को 30,662 किलोमीटर ओएफसी बिछाकर भारतनेट के तहत सेवा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है और 57,570 फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) कनेक्शन प्रदान कर दिए गए हैं।

(घ) सरकार द्वारा संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के तहत, ग्रामीण ग्राहकों को वहनीय होम फाइबर कनेक्शन देने हेतु भारतनेट के माध्यम से 1.5 करोड़ होम फाइबर कनेक्शन प्रदान करने के लिए सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

*****